

विद्याभवन बालिका विद्यापीठ लखीसराय

कक्षा - पंचम्

दिनांक -22- 10-2020

विषय -हिन्दी

विषय शिक्षक -पंकज कुमार

एन, सी, ई, आरटी, पर आधारित

सुप्रभात बच्चों आज व्यक्तिवाचक विशेषण के बारे में पुनः अध्ययन करेंगे ।

व्यक्तिवाचक विशेषण

व्यक्तिवाचक विशेषण की परिभाषा

जिन विशेषण शब्दों की रचना व्यक्तिवाचक संज्ञा से होती है, उन्हें व्यक्तिवाचक विशेषण कहते हैं।

दूसरे शब्दों में- ऐसे शब्द जो असल में संज्ञा के भेद व्यक्तिवाचक संज्ञा से बने होते हैं एवं विशेषण शब्दों की रचना करते हैं, वे व्यक्तिवाचक विशेषण कहलाते हैं।

जैसे-

- इलाहाबाद से इलाहाबादी
- जयपुर से जयपुरी
- बनारस से बनारसी
- लखनऊ से लखनवी आदि।

उदाहरण- 'इलाहाबादी' अमरूद मीठे होते हैं।

व्यक्तिवाचक विशेषण के अन्य उदाहरण

मुझे भारतीय खाना बहुत पसंद है।

ऊपर दिए गए उदाहरण में आप देख सकते हैं भारतीय शब्द असल में तो व्यक्तिवाचक संज्ञा से बना भारत शब्द लेकिन अब भारतीय शब्द विशेषण की रचना

कर रहा है। इस वाक्य में यह शब्द खाने की विशेषता बता रहा है। अतः यह उदाहरण व्यक्तिवाचक विशेषण के अंतर्गत आयेंगे।

सभी साड़ियों में से मुझे बनारसी साडीसबसे ज्यादा पसंद है।

जैसा कि आप ऊपर दिए गए उदाहरण में देख सकते हैं कि बनारसी शब्द का प्रयोग किया गया है। यह शब्द बनारस शब्द से बना है जो एक व्यक्तिवाचक संज्ञा है लेकिन अब यह बनारसी बनने के बाद यह विशेषण कि तरह प्रयोग हो रहा है। अतः यह उदाहरण व्यक्तिवाचक विशेषण के अंतर्गत आएगा।

हमारी दूकान पर जयपुरी मिठाइयां मिलतीहैं।

ऊपर दिए गए उदाहरणों में जैसा कि आप देख सकते हैं जयपुरी शब्द का इस्तेमाल किया गया है। यह शब्द जयपुर शब्द से बना है जो कि एक व्यक्तिवाचक संज्ञा है।

यह शब्द जयपुरी बनने के बाद विशेषण बन जाता है एवं अब इस वाक्य में मिठाइयों कि विशेषता बता रहा है। अतः यह उदाहरण व्यक्तिवाचक विशेषण के अंतर्गत आएगा।

लिखकर याद करें।